मलेरिया वैक्सीन एडफाल्सीवैक्स

स्रोत: DD

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) एक नवीन **काइमेरिक मलेरिया वैक्सीन ??????????????** विकसित कर रही है।

- **एडफाल्सीवैक्स:** यह एक **बहु-चरणीय मलेरिया वैक्सीन** है, जो प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम (मलेरिया का सबसे घातक परजीवी) के दो प्रमुख चरणों **प्री-एरिथ्रोसाइटिक स्टेज (यकृत चरण)** और **सेक्सुअल स्टेज** (जो मच्छरों के माध्यम से रोग के संचरण को संभव बनाता है) को लक्षित करती है। इस वैक्सीन को **लेक्टोकोकस लैक्टिस (Lactococcus lactis)** नामक एक सुरक्षित, खाद्य-स्तर के जीवाणु का उपयोग करके विकसित किया गया है।
  - इसका उद्देश्य **व्यक्तियों को मलेरिया से सुरक्षा प्रदान करना** तथा **रोग के संचरण को कम करना** है। यह '**मेक इन इंडिया**' **पहल** और **मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्यों** को समर्थन प्रदान करती है।
  - '**काइमेरिक वैक्सीन**' वह होती है जिसमें **विभिन्न स्रोतों की आनुवंशिक सामग्री को मिलाकर** एक **संकर (हाइब्रिड) या पुनः संयोजित (Recombinant) संरचना** तैयार की जाती है।
- **मलेरिया:** यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों द्वारा फैलता है।
  - **यह रोग मुख्यतः उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में पाया जाता है, जैसे कि **उप-सहारा अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका**।
  - **मलेरिया परजीवी सबसे पहले यकृत (लिवर)** को संक्रमित करता है, और फिर **लाल रक्त कोशिकाओं (RBCs)** में प्रवेश करता है। प्रमुख लक्षणों में बुखार, सर्दी लगना, थकान और सिरदर्द शामिल हैं। गंभीर मामलों में यह अंग विफलता या मृत्यु का कारण बन सकता है। यह रोग न केवल रोके जाने योग्य है, बल्कि पूर्णतः उपचार योग्य भी है।
  - **R21/Matrix-M** और **RTS,S** जैसी वैक्सीनों को **बच्चों में मलेरिया की रोकथाम हेतु सुरक्षित एवं प्रभावी** पाया गया है और इनसे **सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना** है।
  - उपचार हेतु प्रयुक्त प्रमुख **औषधियाँ** हैं: **क्लोरोक्वीन** और **आर्टेमिसिनिन**। **यूयू टू (Youyou Tu)** को **आर्टेमिसिनिन की खोज के लिये नोबेल पुरस्कार** प्रदान किया गया था।
- **भारत में मलेरिया की स्थिति: विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में मलेरिया के मामलों में भारी गिरावट आई है:**
- **विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024** के अनुसार, भारत में मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, वर्ष 2015 में 11.69 लाख मामलों से घटकर **वर्ष 2023** में मात्र **2.27 लाख** मामले रह गए हैं।
  - **वर्ष 2024 में**, भारत **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** की '**हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट**' **(HBHI)** सूची से बाहर हो गया है, जो कि **वर्ष 2030 तक मलेरिया उन्मूलन के अपने लक्ष्य** की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

और पढ़ें.. विश्व मलेरिया दिवस 2025

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/adfalcivax-for-malaria